लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Hindustan Times
दिनांक 14.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-5

Haryana closes colleges, varsities till March 31; schools in 5 districts shut

Int'l students in Hisar advised to stay in India

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

HISAR: In wake of the Haryana government's decision to close all universities and colleges till March 31 amid a global coronavirus outbreak, educational institutions in Hisar have advised international students not to leave the country.

Awareness campaigns have been launched to sensitise international students about the novel coronavirus (Covid-19).

Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) spokesperson Devendra Arya said, "There are two international hostels in the university — one each for boys and girls. There are 31 students at the boys hostel and 29 in the girls hostel. The university administration has asked students not to leave the country till further orders."

Arya said a team of medical personnel had conducted health checks and held awareness camps in hostels and on the university campus.

"Most facilities are available on the campus hospital. We have also developed an isolation ward for suspected cases. No student has exhibited symptoms typical of coronavirus so far," Arya said.

Associate director of students welfare (ADSW) Manju Mehta said students have been asked to avoid shaking hands and told to use masks and hand sanitisers.

CCSHAU vice-chancellor KP Singh held a meeting of officials and said a quick-reaction team will keep a round-the-clock vigil.

There are around 15 foreign students at the Guru Jambheshwar University of Science and Technology (GJU&ST). Public relation officer Bijender Dahiya said, "We have received no cases so far. Nevertheless, the university administration is on alert."

Dahiya said that in line with the Haryana government's guidelines the varsity has decided to suspend all meetings, seminars and workshops on campus: "We have also decided to postpone the Personal Contact Programme (PCT) for all distance learning students till March 31. Girls and boys hostels will be vacated for the time being. Only international students will stay on campus, that too under strict medical vigil."

Health awareness campaigns have also been launched at Chaudhary Devi Lal University.

RALLY CANCELLED

Meanwhile, a public relation officer of the Haryana government said a Pichara Varg Samman Samaroh rally, in which Haryana CM Manohar Lal Khattar was chief guest, has been postponed. The rally was to be held on March 15.

STUDENTS AFFECTED

While domestic hostellers will be asked to vacate, international students will stay on campus.

UNIVERSITY	GIRLS	BOYS	TOTAL
Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University	29	31	60
Guru Jambheshwar University of Science and Technology	10	5	15

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 13 : 3 : 2020 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

CAPACITY BUILDING WORKSHOP AT HAU

Karnal: Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) organised a 12-day long 'INDO-US Afghanistan training workshop' on the topic of capacity building for agricultural innovation system. Chief Guest Vice-Chancellor Prof KP Singh advocated that the workshop would emphasise on international research, mutual relations and agreements, experiential learning programmes, employment opportunities in private sector for undergraduate and postgraduate students of all regions. He also stated that the international representatives of the workshop will visit the College of Fishery, College of Agricultural Engineering and Technology and related departments to obtain agricultural experiments, techniques and other related information.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक..14..3..2020.. पृष्ठ सं...1... कॉलम...2-8...

गुजवि में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी चैंपियनशिप और पुरस्कार वितरण समारोह रद्द, हॉस्टल खाली करने के निर्देश

कोरोना का खौफ : पुरस्कार वितरण समारोह में कल आना था सीएम को, तीनों विवि के सभी कार्यक्रम रद्द, एचएयू का कृषि मेला भी स्थगित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। प्रदेश में कोरोना को महामारी घोषित करने के बाद जिले के सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में लगभग सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में 15 मार्च को होने वाला द्वितीय वार्षिक नकद पुरस्कार वितरण समारोह और ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी कबड्डी गेम्स को रद्द कर दिया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल को शिरकत करनी थी। इसके अलावा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का कृषि मेला भी आगामी आदेशों तक स्थगित रहेगा। वहीं, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

लाला लाजपत राय पशु विज्ञान एवं पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय सहित शहर के तीनों विश्वविद्यालयों में भविष्य में होने वाली सभी तरह की ट्रेनिंग भी स्थगित हो गई हैं। वहीं, प्रदेश सरकार के आदेशानुसार कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में 31 मार्च तक कक्षाएं नहीं लगेंगी। हालांकि शिक्षकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों को संस्थानों में पहुंचना होगा। महामारी घोषित होने के बाद शुक्रवार को प्रदेश सरकार द्वारा सभी शिक्षण संस्थानों में कक्षाएं नहीं लगने के आदेशों के बाद शहर के तीनों विश्वविद्यालयों में देर शाम तक बैठक होती रही, जिनमें कोरोना से सावधानी को लेकर विभिन्न फैसले लिए गए। (संबंधित खबर पेज-3)

एचएयू के विदेशी विद्यार्थियों को परिजनों से न मिलने के निर्देश

कोरोना को लेकर विश्वविद्यालय में देर शाम को कुलपति प्रो. केपी सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में कोरोना से बचने के लिए हर जरूरी सावधानियां बरतने के आदेश दिए गए हैं। विवि प्रशासन के अनुसार एचएयू-लुवास के इंटरनेशनल हॉस्टलों में रहने वाले 80 से अधिक विद्यार्थियों को अपने देश न जाने और यहां आने वाले विदेशी लोगों से न मिलने को कहा है। हालांकि इस दौरान किसी भी अन्य राज्य या देश से आने वाले लोगों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी। वहीं, विवि में विद्यार्थियों की परीक्षाएं चलने के कारण कक्षाएं पहले ही नहीं लग रही हैं। 19 मार्च तक परीक्षाएं होने के बाद भी विद्यार्थियों की 31 मार्च तक कक्षाएं नहीं लगेंगी।

गुजवि में शिक्षक अपनी कक्षाओं के व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर पढ़ाएंगे

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की छुट्टियां होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित न हो, इसके लिए शिक्षकों को अपनी कक्षाओं के व्हाट्सएप ग्रुप बनाने को कहा गया है। इसी ग्रुप पर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करना होगा। विद्यार्थियों को असाइनमेंट देने के बाद शिक्षकों को विद्यार्थियों को ई-स्टडी मेटिरियल भी उपलब्ध करवाना होगा। कोरोना वायरस को लेकर विश्वविद्यालय में देर शाम को कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें कुलपति ने ये निर्देश जारी किए हैं। इस बैठक में कुलसचिव प्रो. हरभजन बंसल भी शामिल थे।

गुजवि में हुई बैठक में लिए गए निर्णय

- 31 मार्च तक कोई कक्षाएं नहीं लगेंगी।
- 2 से 3 दिन में हॉस्टल वार्डन को हॉस्टल खाली करवाने के निर्देश।
- सभी तरह के इंटरनल/माइनर और एक्सटर्नल एग्जाम स्थगित।
- ऑल इंडिया कबड्डी वुमन चैंपियनशिप स्थगित।
- डिस्टेंस एजुकेशन प्रोग्राम के तहत होने वाले पीसीपी कार्यक्रम स्थगित।
- सभी शिक्षक विद्यार्थियों के साथ इंटरनेट के माध्यम से जुड़े रहेंगे और विद्यार्थियों को दी जाने वाली असाइनमेंट के लिए ई-स्टडी मैटिरियल उपलब्ध करवाना होगा।
- शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ व्हाट्सएप ग्रुप बनाने होंगे और इसी पर विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान करेंगे।
- शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और रिसर्च स्कोलर विश्वविद्यालय में आएंगे, जबकि विद्यार्थियों की छुट्टी रहेगी।

“ द्वितीय वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह रद्द कर दिया गया है। इस कार्यक्रम में सीएम साहब को आना था। इसके अलावा प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार 31 मार्च तक कक्षाएं नहीं लगेंगी। शिक्षकों को व्हाट्सएप आदि संचार माध्यमों से विद्यार्थियों के संपर्क में रहने को कहा गया है, ताकि उनकी पढ़ाई बाधित बाधित न हो।

प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

“ कोरोना के महामारी घोषित होने के कारण फिलहाल हम कृषि मेला करवाने पर विचार नहीं कर सकते। आगामी दिनों में बीमारी पर कंट्रोल होता है तो ही कृषि मेले का आयोजन करवाया जाएगा। कोरोना को लेकर हर तरह की सावधानी बरती जा रही है।

प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार।

“ प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार विवि में 31 मार्च तक कक्षाएं नहीं लगेंगी। इसके अलावा कोई सेमिनार या संगोष्ठी आदि का आयोजन भी नहीं किया जाएगा। कोरोना वायरस को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है।

डॉ. गुरदियाल सिंह, कुलपति, लुवास।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 14.3.2020 पृष्ठ सं: 15 कॉलम: 3-4

एचएयू के बायोटेक्नोलॉजी कालेज के कोर्स-सीटें तय

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शुक्रवार को देर सायं अकादमिक काउंसिल की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। अकादमिक काउंसिल की बैठक में इस बार कई बड़े निर्णय लिये गए, जिसमें तीन नए कॉलेजों के पाठ्यक्रम, सीटें और इससे जुड़ी दूसरी सुविधाओं पर फैसला सबसे महत्वपूर्ण रहा। एचएयू प्रशासन ने कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी, कॉलेज ऑफ फिशरीज व गुरुग्राम स्थित एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में कौन-कौन से कोर्स चलाने हैं इसका खाका तैयार किया गया। इसके साथ ही किस कोर्स में कितनी सीटें होंगी यह भी निर्धारित किया गया। जल्द ही पब्लिक प्लेटफार्म पर भी इन कोर्सों से जुड़ी जानकारियां विश्वविद्यालय की तरफ से साझा की जाएंगी।

इस मसौदे को तैयार करने के पीछे विश्वविद्यालय का प्रमुख उद्देश्य है कि कॉलेज ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी, कॉलेज ऑफ फिशरीज व गुरुग्राम स्थित एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट में क्लासेस नए सत्र से शुरू कर दी जाएं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण गुरुग्राम में खुलने वाला एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के निर्माण की प्रक्रियाओं को शुरू कर दिया गया है, ऐसे में जब तक निर्माण पूरा नहीं होगा तब तक इस इंस्टीट्यूट से जुड़े कोर्सों की कक्षाएं हिसार कैंसप से ही संचालित की जाएंगी।

अकादमिक काउंसिल की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। हम नए सत्र से तीन कॉलेजों में विभिन्न कोर्सों में पढ़ाई आरंभ कराएंगे, इसके लिये सीटें, कोर्स करिकुलम आदि तैयारियां फाइनल की गई हैं। – प्रो. केपी **सिंह**, कुलपति, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर
दिनांक: 15.3.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-8

एचएयू के छात्रों को यू-ट्यूब, फेसबुक पर लाइव परीक्षाओं की तैयारी और स्टडी करवाएंगे शिक्षक

महबूब अली | हिसार

कोरोना वायरस के खौफ के चलते भले ही स्कूल कालेजों से लेकर विवि की छुट्टी कर दी गई हों लेकिन जिन छात्र एवं छात्राओं के एग्जाम चल रहे हैं वह एग्जाम देने के लिए जायेंगे। एचएयू ने छात्र एवं छात्राओं की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी किसी भी तरह से प्रभावित न हो इसके लिए छात्रों को ऑनलाइन, यू टयूब, फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुप पर लाइव आकर पढ़ाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में एचएयू के कुलपति ने भी शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

दरअसल, कोरोना वायरस को लेकर विवि की 31 मार्च तक के लिए छुट्टी कर दी गई। यहीं नहीं एचएयू के गर्ल्स और ब्वायज हॉस्टल में ठहरे कुछ छात्र एवं छात्राएं भी शनिवार को हॉस्टल खाली कर अपने घर चले गए। एचएयू के कुलपति डा. केपी सिंह ने बताया कि छुट्टी के दौरान भी बच्चों की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी प्रभावित न हो, इसके लिए विशेष प्लानिंग तैयार की गई है। जिसके तहत शिक्षकों को यू टयूब के साथ-साथ फेसबुक, व्हाट्सएप पर लाइव आकर छात्र एवं छात्राओं की तैयारी कराने को कहा है।

व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए जा रहे

विवि प्रशासन छात्रों की परीक्षा की तैयारी और पढ़ाई के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनवा रहा है। जिसमें शिक्षकों के अलावा छात्रों को भी जोड़ा जाएगा। ग्रुप में किसी भी तरह का मेसेज डलते ही छात्र की समस्या के समाधान का प्रयास शिक्षक करेंगे। इसकी जिम्मेदारी संबधित विभागों को भी सौपी गई है।

विदेशी छात्रों की हर दिन की जा रही स्वास्थ्य जांच

हिसार| कोरोना वायरस के खौफ के चलते शहर के एचएयू, लुवास और जीजेयू में रहकर पढ़ाई कर रहे करीब 100 से अधिक विदेशी छात्रों के स्वास्थ्य की जांच के लिए अलग से स्वास्थ्य टीम गठित की गई है। जो प्रतिदिन विदेशी छात्रों की जांच को पहुंच रही है। यहीं नहीं छात्रों को कोरोना से बचाव को सावधानी बरतने की भी सलाह दी जा रही है। हालांकि विदेशी छात्रों को अभी हॉस्टल खाली कराने के आदेश नहीं दिए गए है। कुछ ने जाने की तैयारी कर ली है। एचएयू की यदि बात की जाए तो यहां पर भूटान, नेपाल, बांग्लादेश आदि स्थानों के 50 से अधिक , लुवास में 20 तथा जेजीयू में पचास से अधिक विदेशी छात्र हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते हैं। कोरोना वायरस के खौफ के बाद विदेशी छात्रों पर विवि प्रशासन विशेष नजर बनाएं हुए है। अलग से स्वास्थ्य टीम का गठन किया गया है। जो प्रतिदिन न सिर्फ हॉस्टलों में जाकर विदेशों के स्वास्थ्य की जानकारी ले रही है। वहीं बचाव के भी टिप्स दिए जा रहे है। यहीं नहीं मोबाइल पर काल कर भी विदेशी छात्रों का हाल जाना जा रहा है। तीनों विवि में विदेशी छात्रों को अभी हॉस्टल खाली कराने को नही कहा गया है। हालांकि छात्रों का कहना है कि भविष्य में उ न्हें भी हॉस्टल खाली करने पड़ सकते है। जीजेयू में रह रहे नेपाल के छात्र सुमित ने कहा कि हॉस्टल खाली करने से पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। जल्द ही वह घर लौट जायेंगे। हालांकि अभी उन्हें हॉस्टल खाली करने के लिए नहीं कहा गया है। बांग्लादेश के जीजेयू के हॉस्टल में रह रहे छात्र रबी हसन, बिलाल, रसकिन ने कहा कि उन्हें कोरोना वायरस से बचाव के भी टिप्स दिए जा रहे है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक...15.3.2020..... पृष्ठ सं.....6..... कॉलम....3.8....

अचानक छुट्टियों से प्रभावित होगी पढ़ाई

हिसार | कोरोना वायरस के खौफ के चलते जिला के कालेज और एचएयू, लुवास और जीजेयू के हॉस्टल शनिवार से खाली कराने शुरू कर दिए गए। छात्र एवं छात्राएं हॉस्टल को खाली कर वाहनों में सवार होकर अपने घर जाते नजर आए। हॉस्टल छोड़ने वाले छात्रों ने कहा कि छुट्टी के कारण उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो सकती है। हालांकि जिनकी परीक्षा है, उन्हें हॉस्टल में रहने के लिए ही कहा गया है। आधे से अधिक छात्र शनिवार को ही हॉस्टल खाली कर चले गए जबकि अन्य रविवार को जायेंगे। छात्रों को हॉस्टल खाली करने के लिए दो दिन का समय दिया गया है।

दरअसल, कोरोना वायरस को लेकर सर्तकता के चलते प्रदेश में कॉलेजों में होने वाले सभी कार्यक्रम जहां रद्द कर दिए गए ।

भास्कर की टीम ने हॉस्टलों की पड़ताल की तो ऐसा नजारा देखने को मिला

▪ स्थान - एचएयू हॉस्टल : यहां से कुछ छात्र अपने बैग लेकर घर जाते नजर आए। जाने वाले छात्र सुनील , मनोज, निकित ने कहा कि अचानक हॉस्टल खाली करने के आदेश देने के कारण उन्हें जाना पड़ रहा है। हालांकि उनकी पढ़ाई भी प्रभावित हो सकती है।

▪ स्थान - जीजेयू ब्वायज हॉस्टल : जीजेयू के ब्वायज हॉस्टल से करीब 20 छात्र अपने अपने घरों को जाते नजर आए। एमबीए कर रहे छात्र संदीप, सचिन ने कहा कि उन्हें शुक्रवार को ही हॉस्टल खाली करने को कहा गया था। करनाल जाना है। पढ़ाई भी प्रभावित होगी। हालांकि कोरोना वायरस न फैले इसके लिहाल से निर्णय सही भी है।

▪ स्थान - गर्वमेंट कालेज : कालेज के हॉस्टल की छात्राओं ने बताय कि उन्हें करनाल, रोहतक, सोनीपत आदि स्थानों पर जाना है। बताया कि उन्हें रात में ही हॉस्टल खाली करने को कहा गया था।

एचएयू के हॉस्टल में ही रह रहे लुवास के छात्र

अपना हॉस्टल नहीं होने के कारण लुवास के छात्र एचएयू के हॉस्टल में रह रहे है। जबकि लुवास की छात्राओं को गोदावरी हॉस्टल में रखा जाता है। जीजेयू, लुवास और एचएयू विवि के पदाधिकारियों का कहना है कि जिन छात्रों की परीक्षा चल रही है, उन्हें हॉस्टल में ही रहने के आदेश दिए गए है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...हरि भूमि...
दिनांक...14. 3. 2020... पृष्ठ सं...4... कॉलम...5-6...

हकृवि में 50 से अधिक विदेशी

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 50 से अधिक विदेशी विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. देवेंद्र सिंह ने कहा कि लड़कों के लिए दो व लड़कियों के लिए 2 अंतरराष्ट्रीय छात्रावास विवि परिसर में है। लड़कों के छात्रावास में कुल 31 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि विवि के कैंपस अस्पताल में भी उचित चिकित्सा सुविधाएं हैं। किसी भी संदिग्ध मामले के लिए एक आइसोलेशन वार्ड भी विकसित किया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक...15.3.2020...... पृष्ठ सं.......6....... कॉलम....1-4.....

एचएयू कर्मियों के बच्चों के लिए बीएससी एमएससी और पीएचडी में सीटें आरक्षित

विवि के तीनों नए कॉलेजों में इसी वर्ष से शुरू होंगे बीएससी-एमएससी और पीएचडी के दाखिले

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में यहां काम करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को भी आसानी से दाखिला मिल सकेगा। इसके लिए विवि प्रशासन ने बीएससी में दो सीटें आरक्षित रखे जाने का प्रावधान किया है। इसके साथ ही सभी कॉलेजों में एमएसएसी और पीएचडी के लिए भी एक-एक सीटें कर्मचारियों के बच्चों के लिए आरक्षित रखी जाएंगी।

कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में ये फैसले लिए गए हैं। बैठक में विवि के कर्मचारियों के लिए दाखिले के दौरान सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए भी आरक्षण की पॉलिसी पर मुहर लगाई गई है। यानी जिन कर्मचारियों को एक ही बेटी है, उन बेटियों का दाखिला विवि में आसानी से हो जाएगा। विवि प्रशासन ने बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की है। विवि कैंपस में चार कॉलेजों वाले चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि का इस वर्ष के अंत तक पूरी तरह से विस्तार हो जाएगा और विवि के पास आठ कॉलेज होंगे। विवि प्रशासन चारों नए कॉलेजों में दाखिला

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय। - फाइल फोटो

प्रक्रिया इसी वर्ष शुरू कर देगा। इन कॉलेजों में विवि का कॉलेज ऑफ फिशरीज, कॉलेज ऑफ बायो टेक्नोलॉजी और गुरुग्राम में बन रहा इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री बिजनेस मैनेजमेंट ऐंड एंटरप्रन्योर शामिल हैं।

कॉलेज ऑफ फिशरीज में पिछले वर्ष हो चुके एमएससी और पीएचडी में दाखिले : इन कॉलेजों में से कॉलेज ऑफ फिशरीज में एमएससी और पीएचडी में दाखिले पिछले वर्ष ही शुरू कर दिए गए थे, जबकि बीएससी में इस वर्ष दाखिले होने शुरू हो जाएंगे। इन नए कॉलेजों में चलने वाले, बीएएसी, एमएससी, पीएचडी सहित सभी कोर्सों के लिए कोर्स स्ट्रक्चर व सीटें आदि फाइनल कर दी गई हैं।

- कॉलेज ऑफ फिशरीज, बायो टेक्नोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री मैनेजमेंट ऐंड एंटरप्रिन्योर में होंगे दाखिले
- कुलपति की अध्यक्षता में हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कई फैसलों पर लगाई गई मुहर

"हमारे कर्मचारियों के बच्चे विवि में आसानी से दाखिला ले सकें, इसके लिए हमने कुछ सीटों का प्रावधान किया है। इसके अलावा नए कॉलेजों का कोर्स स्ट्रक्चर तैयार कर दिया गया है। इन कॉलेजों में इसी वर्ष दाखिले होंगे। बैठक में कोर्सों और विद्यार्थियों के दाखिले संबंधी त्रुटियों को भी दूर किया गया।

- प्रो. केपी सिंह, कुलपति, एचएयू हिसार

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 15.3.2020 पृष्ठ सं: 14 कॉलम: 4-6

एचएयू के अधिकारियों-कर्मचारियों को बेटियों के लिए यूजी कोर्स में मिलेगी रिजर्व सीट

जागरण संवाददाता, हिसार : बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों के बच्चों के लिए स्नातक कोर्सों में एक-एक सीट तय की है। यह सुविधा प्रत्येक कालेज के कोर्सों में शामिल रहेगी। खास बात है कि इस सुविधा का लाभ वही कर्मचारी या अधिकारी उठा सकते हैं जिनकी सिर्फ बेटियां हैं। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस सुविधा का लाभ शिक्षकों से लेकर गैर शिक्षण कार्य में लगे कर्मचारी भी उठा सकेंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से अधिकारियों व कर्मचारियों में इस सुविधा के लागू होने का इंतजार था। जिसे शुक्रवार को अकादमिक काउंसिल की बैठक में कुलपति प्रो केपी सिंह की अध्यक्षता में पास कर दिया गया। एचएयू के कर्मचारियों व अधिकारियों के बच्चों के लिए पहले स्नातक में विभिन्न कालेजों में संचालित कोर्सों के लिए एक-एक सीट तय रहती थी। मगर पोस्ट ग्रेजुएशन में अभी तक कोई प्रावधान नहीं था। अब एमएससी में एक व पीएचडी करने के लिए भी एक सीट तय की गई है। यह सीट हर कालेज में निश्चित रहेगी। जीजेयू में पहले ही छात्र-छात्राओं को यह सुविधा मुहैया कराई जा रही है। अब इस सूची में एचएयू का नाम भी जुड़ गया है।

वैज्ञानिकों को 5 सर्विस का लाभ

अकादमिक काउंसिल की बैठक में पांच सर्विस के केसों का भी समाधान किया गया। इस मामले में कुछ वैज्ञानिकों को पांच सर्विस की सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता था। अब से उन्हें इन सुविधाओं का लाभ मिलने लगेगा। बैठक में इस बार कालेज ऑफ बॉयोटेक्नोलॉजी, कालेज ऑफ फिशरीज व गुरुग्राम स्थित एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट की सीटें, पाठ्यक्रम व कोर्स तय किए गए।

इस बार की अकादमिक काउंसिल की बैठक में कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। कर्मचारियों व अधिकारियों के बच्चों की पढ़ाई के लिए सीटें तय करना एक बड़ा फैसला है। इसके साथ पांच सर्विस के मामलों में भी वैज्ञानिकों को लाभ मिलेगा।
डा. करमल सिंह, प्रधान, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय टीचर्स एसोसिएशन।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 14.3.2020 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 7-8

कृषि वैज्ञानिकों ने अनुभव सांझा किए

नलवा | भारतीर्य कृषि अनुसंधान अकादमी से अनुभव प्रशिक्षण के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय पहुंचे कृषि वैज्ञानिकों ने बुरे गांव के किसानों के साथ अपने अनुभव साझा किए। यह कार्यक्रम हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान अनुभव प्रशिक्षण के लिए आए कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ खेतीबाड़ी व विंभिन्न विषयों पर किसानों के साथ अनुभव साझा किए। इस मौके पर डॉ. आर एस श्योराण, डॉ. प्रदीप चहल, डॉ. पी वेंकेटेशन, वैभव चौधरी, शेरन फिसेस अहमद, आलोक शिव, प्रतिभा एमडी, संगनामोनी शिव शंकर सहित गांव के किसान मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक 16 : 3 : 2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. आरएस हुड्डा

गन्ने की बिजाई के 40 दिन बाद लगाएं खेत में पहला पानी

गन्ने की बिजाई के बाद 40 दिन बाद पहला पानी लगाएं। बत्तर आने पर गुड़ाई करें। यदि बिजाई के समय एट्राजीन नहीं डाल पाए हो तो पहली सिंचाई के बाद गुड़ाई करके 1.6 किलोग्राम एट्राजीन 50 ईपी एकड़ की दर से 200 - 250 लीटर पानी में घोलकर खड़ी फसल में छिड़काव करें। इससे गन्ना फसल पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। अंत फसलीकरण में इस शाक नाशक का प्रयोग न करें। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का नियंत्रण करने के लिए एक किलोग्राम 2,4 डी (80 प्रतिशत सोडियम नमक) 250 लीटर पानी में बिजाई सात-आठ सप्ताह बाद प्रति एकड़ छिड़काव करें। यदि फसल में मोथा घास की समस्या हो तो घास उगने पर 2,4 डी ईस्टर का 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि मोथा घास दोबारा उग जाए तो दवा की इसी मात्रा का फसल में छिड़काव करें।

डॉ. आरएस हुड्डा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विस्तार शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

2,4 डी मोथा घास को ऊपर से ही नष्ट करती है। मोथा घास की रोकथाम के लिए सैंप्रा का 36 ग्राम प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 35 - 45 दिन बाद, जब मोथा घास तीन - पांच दिन की हो तब फ्लैट फैन नोजल से छिड़काव करें। अंत फसलीकरण में इस शाक नाशक का इस्तेमाल न करें। स्केल कीड़ा की रोकथाम के लिए केवल स्वस्थ बीज ही बोएं और अच्छे जमाव के लिए बीज को पांच - दस मिनट 250 ग्राम एमिसान या मैंकोजेब दवा 100 लीटर पानी के घोल में उपचारित करें।

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 14.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4-5

बगला के किसानों को अरंड की खेती की दी जानकारी

मंडी आदमपुर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रीय अनुसंधान केंद्र बावल व कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के तत्वावधान में गांव बगला में एक दिवसीय अरंड खेत दिवस का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत आयोजित कार्यक्रम में डॉ. योगेंद्र यादव मुख्य अतिथि रहे जबकि डॉ. विजय पाल यादव, डॉ. प्रदीप चहल, डॉ. संत्यपाल यादव व डॉ. बलबीर विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने की। डॉ. योगेंद्र यादव ने किसानों का अरंड फसल की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने अरंड की विभिन्न किस्मों, हाइब्रिड वैरायटी, उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अरंड एक व्यावसायिक फसल है, जिसकी विश्व में बहुत बड़ी मांग है। डॉ. विजयपाल, डॉ. प्रदीप चहल, डॉ. एसपी यादव, डॉ. बलबीर सिंह, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. पूजा, डॉ. विकास व डॉ. सत्यवीर कुंडू ने किसानों को अपनी आय दोगुनी करने के विभिन्न उपायों के साथ-साथ अरंड के कीटों, बीमारियों आदि के साथ-साथ किचन गार्डनिंग, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, फल उत्पादन, सब्जी उत्पादन आदि विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 14.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

बगला में अरंड खेत दिवस आयोजित

अरंड खेत दिवस के दौरान जानकारी देते डा. योगेंद्र यादव।

मंडी आदमपुर, 13 मार्च (भारद्वाज): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के केंद्रीय अनुसंधान केंद्र बावल व कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के तत्वावधान में गांव बगला में अरंड खेत दिवस का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत किया गया। कार्यक्रम में डा. योगेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि व डा. विजय पाल यादव, डा. प्रदीप चहल, डा. सत्यपाल यादव व डा. बलबीर ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की जबकि अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डा. नरेंद्र कुमार ने की। डा. योगेंद्र यादव ने किसानों का अरंड फसल की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...दैनिक भास्कर...
दिनांक...14.3.2020... पृष्ठ सं....4... कॉलम...3...

कृषि विज्ञान केंद्र ने बगला में अरंड खेत दिवस मनाया

मंडी आदमपुर सिटी | एचएयू हिसार के केंद्रीय अनुसंधान केंद्र बावल व कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के तत्वावधान में गांव बगला में एक दिवसीय अरंड खेत दिवस का आयोजन राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के तहत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. योगेंद्र यादव ने मुख्य अतिथि व डॉ. विजय पाल यादव, डॉ. प्रदीप चहल, डॉ. सत्यपाल यादव व डॉ. बलबीर ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की जबकि अध्यक्षता कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर के संयोजक डॉ. नरेंद्र कुमार ने की। डॉ. योगेंद्र यादव ने किसानों का अरड फसल की वैज्ञानिक खेती के बारे में बताया। उन्होंने अरंड की विभिन्न किस्मों, हाइब्रिड वैरायटी, उर्वरक प्रबंधन, खरपतवार प्रबंधन आदि की जानकारी दी। डॉ. विजयपाल, डॉ. प्रदीप चहल, डॉ. एसपी यादव, डॉ. बलबीर सिंह व डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. पूजा, डॉ. विकास व डॉ. सत्यवीर कुंडू ने किसानों को अपनी आय दुगनी करने के विभिन्न उपायों के साथ-साथ अरंड के कीटों, बीमारियों आदि के साथ-साथ किचन गार्डनिंग, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, फल उत्पादन, सब्जी उत्पादन आदि विषयों पर जानकारी दी।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक..13.-3.-2020.... पृष्ठ सं....2.... कॉलम....1-4....

ईंडों-यूएस अफगानिस्तान के प्रतिनिधि मण्डल ने हकृवि के मृदा विज्ञान विभाग का किया भ्रमण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर में आयोजित 12 दिवसीय कृषि नवाचार प्रणाली के लिए क्षमता विकास कृषि अनुसंधान और जलवायु-स्मार्ट कृषि दृष्टिकोण संबंधित ईंडों-यूएस अफगानिस्तान प्रशिक्षण कार्यशाला में आज ईंडों-यूएस अफगानिस्तान के प्रतिनिधि मण्डल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग का भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने अपने संदेश में सभी को हाथ जोड़कर अभिवादन करने की पारम्परिक संस्कृति की रीति को कायम रखने का प्रयास करें जिससे सांस्कृतिक गुणों के विकास के साथ कोरोना वायरस से भी बचाव किया जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत की अगुवाई में ईंडों-यूएस अफगानिस्तान प्रतिनिधि मण्डल ने हकृवि के मृदा विभाग के वैज्ञानिकों से जानकारी हासिल की, जिसमें मृदा विभाग के सहायक वैज्ञानिक डॉ. धर्मप्रकाश ने मृदा गठन व इसके महत्त्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा कणों के विभिन्न आकार वर्गों के सापेक्ष अनुपात को मृदा गठन कहते है। ये बालू, सिल्ट तथा मृतिका मृदा कण वर्ग है। स्थान बदलने पर मृदा में इन तीनों कणों का अनुपात बदल जाता है परन्तु खेती करने से इनका अनुपात नहीं बदलता, इसलिए इसे मृदा का स्थायी या मूल गुण कहा जाता है। जब मिट्टी में 70-85 प्रतिशत से ज्यादा बालू हो तो उसे बलुई मिट्टी कहते है। परन्तु इस मृदा गठन वाली मिट्टी में पानी व पोषक तत्वों की धारण क्षमता कम होती है तथा इन्हें हल्की मिट्टी भी कहते है तथा जब सिल्ट व मृतिका कण मिलाकर 80 प्रतिशत से अधिक होते है तो इसे भारी मिट्टी कहते हैं, ये मिट्टियां अधिक जल व पोषक तत्वों को धारण करती है। इन दोनों के बीच वाली मिट्टियां पौधों की वृद्धि व विकास की पुष्टि के लिए उत्तम मानी जाती है। उन्होंने मृदा गठन के साथ मृदा संरचना को सही बनाएं रखने पर जोर दिया। मृदा संरचना में बालु, सिल्ट व मृतिका कण एक दूसरे से चिपककर एक निश्चित पद्धति में व्यवस्थित रहते है तथा ढेले का रूप बनाये रखते है। मृदा संरचना खेती करने के तरीकों से अत्यन्त प्रभावित होता है तथा मिट्टी का यह वो गुण है जो फसलों की वृद्धि व विकास को प्रभावित करने वाले सभी कारकों को प्रभावित करता है। जैसे कि मिट्टी में पानी धारण व पोषक तत्वों की उपलब्धता व वायु संचार, जड़ों का विकास व सूक्ष्म तत्वों की क्रियाशीलता आदि अच्छी मृदा संरचना बनाए रखने के लिए गोबर की खाद, कम्पोस्ट, हरी खाद आदि को खेतों में जरूर डालें तथा मिट्टी में उचित नमी होने पर खेतों को बीज बोने के लिए तैयार करें, ऐसा करने से मिट्टी संरचना उत्तम कोटी की बनी रहती है। उपरोक्त के साथ-साथ मिट्टी को फसल अवशेषों से ढक कर रखना चाहिए, जीवाणु टीका इस्तेमाल करने चाहिए तथा कम से कम खेतों की जुताई करनी चाहिए।

फिर उन्होंने बताया कि हरियाणा की मिट्टी ज्यादातर जलोढ़ मिट्टियां है जिसमें 58 प्रतिशत, शुरूआती अवस्था वाली, 29 प्रतिशत जल्दी बनी हुई, शुष्क मिट्टी, 2 प्रतिशत मध्यम से उच्च क्षार वाली तथा 2 प्रतिशत पहाड़ी मिट्टियां है। इसके बाद उन्होंनें बताया कि आज के युग में हमारी मिट्टियों में फसल उत्पादन उस तरह से नहीं बढ़ रहा जिस दर से हम उर्वरकों को डाल रहे हैं। इसके साथ-साथ पोषक तत्वों की कमी बढ़ती जा रही है। पानी की गुणवत्ता भी एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

अतः विश्वविद्यालय ने क्लाइमेट स्मार्ट कृषि को बढ़ावा देने के लिए जैविक खेती, टपका व फव्वारा सिंचाई आदि को अपनाने के लिए विभिन्न केन्द्रों को स्थापित किया है। जहां कम से कम खर्चा करके अधिक फायदा करने वाली कृषि कार्यों को सिखाया जाता है।